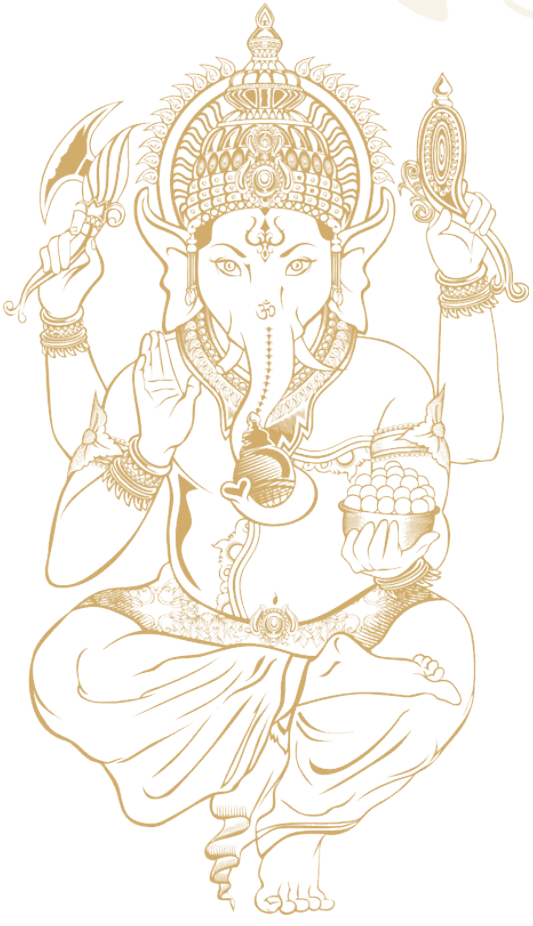

Suraj sharma

30 May 2003

08:12 AM

Indore

Model: web-freekundliweb

Order No: 121023302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/05/2003**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**08:12:00 घंटे**
इष्ट	06:15:27 घटी
स्थान	**Indore**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:42:00 उत्तर
रेखांश	75:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:45:36 घंटे
वेलान्तर	00:02:34 घंटे
साम्पातिक काल	00:14:26 घंटे
सूर्योदय	05:41:49 घंटे
सूर्यास्त	19:06:07 घंटे
दिनमान	13:24:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	14:24:20 वृष
लग्न के अंश	18:45:18 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	अतिगण्ड
करण	चतुष्पाद
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:45:18	320:04:05	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			वृष	14:24:20	00:57:34	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	02:43:35	11:50:54	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
मंगल			मक	27:37:25	00:30:42	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	उच्च राशि
बुध			मेष	20:45:44	00:42:04	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
गुरु			कर्क	18:36:01	00:08:44	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	उच्च राशि
शुक्र			मेष	22:40:44	01:12:55	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि			मिथु	05:28:42	00:07:28	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
राहु			वृष	05:36:29	00:00:08	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	05:36:29	00:00:08	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	08:53:34	00:00:24	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप	व		मक	19:13:57	00:00:27	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	24:59:18	00:01:34	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			मीन	10:01:41	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:01

लग्न-चलित

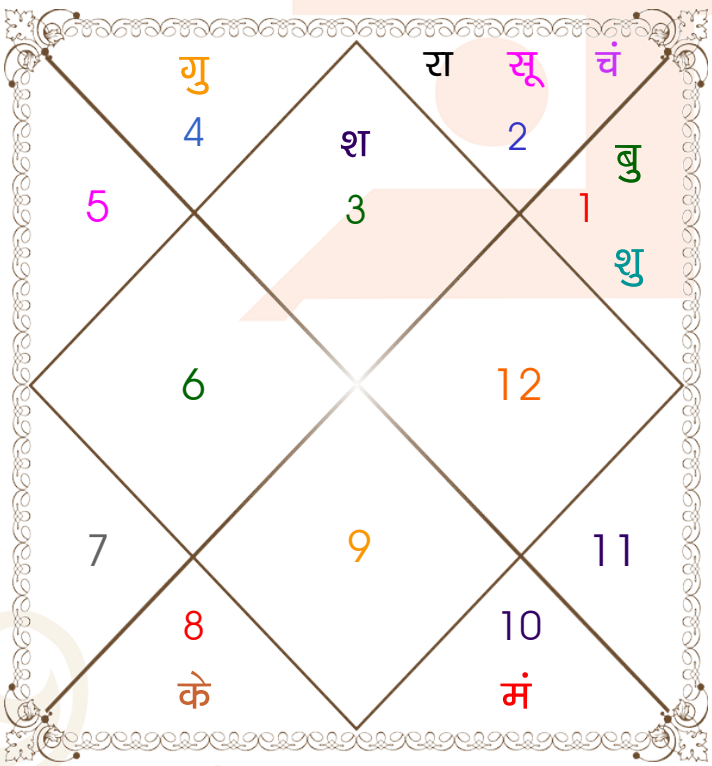

चन्द्र कुंडली

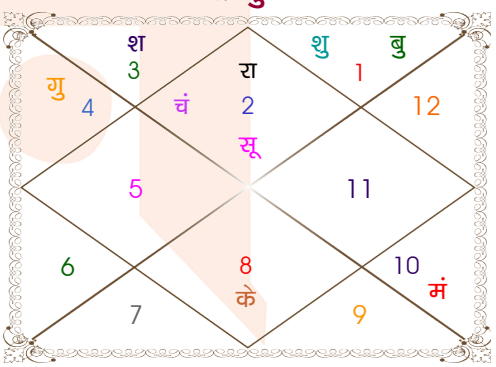

नवमांश कुंडली

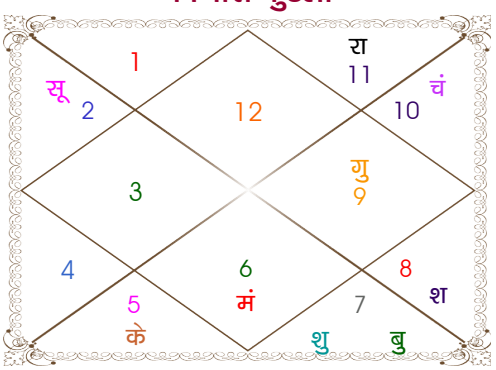

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 3 मास 8 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/05/2003		06/09/2006		06/09/2016		07/09/2023		06/09/2041	
06/09/2006		06/09/2016		07/09/2023		06/09/2041		06/09/2057	
	00/00/0000	चंद्र	08/07/2007	मंगल	02/02/2017	राहु	20/05/2026	गुरु	25/10/2043
	00/00/0000	मंगल	06/02/2008	राहु	21/02/2018	गुरु	12/10/2028	शनि	08/05/2046
	00/00/0000	राहु	07/08/2009	गुरु	27/01/2019	शनि	19/08/2031	बुध	13/08/2048
	30/05/2003	गुरु	07/12/2010	शनि	07/03/2020	बुध	08/03/2034	केतु	19/07/2049
गुरु	14/07/2003	शनि	07/07/2012	बुध	04/03/2021	केतु	26/03/2035	शुक्र	19/03/2052
शनि	25/06/2004	बुध	06/12/2013	केतु	01/08/2021	शुक्र	26/03/2038	सूर्य	06/01/2053
बुध	01/05/2005	केतु	07/07/2014	शुक्र	01/10/2022	सूर्य	18/02/2039	चंद्र	08/05/2054
केतु	06/09/2005	शुक्र	07/03/2016	सूर्य	06/02/2023	चंद्र	19/08/2040	मंगल	14/04/2055
शुक्र	06/09/2006	सूर्य	06/09/2016	चंद्र	07/09/2023	मंगल	06/09/2041	राहु	06/09/2057

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
06/09/2057		06/09/2076		06/09/2093		07/09/2100		07/09/2120	
06/09/2076		06/09/2093		07/09/2100		07/09/2120		00/00/0000	
शनि	09/09/2060	बुध	03/02/2079	केतु	02/02/2094	शुक्र	07/01/2104	सूर्य	25/12/2120
बुध	20/05/2063	केतु	31/01/2080	शुक्र	04/04/2095	सूर्य	07/01/2105	चंद्र	26/06/2121
केतु	28/06/2064	शुक्र	01/12/2082	सूर्य	10/08/2095	चंद्र	07/09/2106	मंगल	01/11/2121
शुक्र	28/08/2067	सूर्य	07/10/2083	चंद्र	10/03/2096	मंगल	07/11/2107	राहु	26/09/2122
सूर्य	09/08/2068	चंद्र	07/03/2085	मंगल	06/08/2096	राहु	07/11/2110	गुरु	31/05/2123
चंद्र	11/03/2070	मंगल	05/03/2086	राहु	25/08/2097	गुरु	08/07/2113		00/00/0000
मंगल	20/04/2071	राहु	21/09/2088	गुरु	01/08/2098	शनि	07/09/2116		00/00/0000
राहु	24/02/2074	गुरु	28/12/2090	शनि	10/09/2099	बुध	09/07/2119		00/00/0000
गुरु	06/09/2076	शनि	06/09/2093	बुध	07/09/2100	केतु	07/09/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 3 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।